

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुगरकॉन 2022 में सम्मानित हुए एनएसआई के डायरेक्टर नरेंद्र मोहन

कानपुर/लखनऊ (नगर छाया समाचार)।

नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 16-19 अक्टूबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, शुगरकॉन 2022 के दौरान चीनी और



इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. तिलक राज शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। संस्थान के कर्मचारियों को पुरस्कार समर्पित करते हुए नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा कि यह हमें चीनी और इथेनॉल उद्योग की बेहतरी के लिए नवीन प्रक्रियाओं और उत्पादों को विकसित करने के लिए और अधिक उत्साह के साथ विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।



पुरस्कार ग्रहण करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

चीनी और इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान के लिए एनएसआई निदेशक का सम्मान

कानपुर, 17 अक्टूबर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में 16-19 अक्टूबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, शुगरकॉन-2022 के दौरान चीनी और इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डा. तिलक राज शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। संस्थान के कर्मचारियों को समर्पित करते हुए निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि यह हमें चीनी और इथेनॉल उद्योग की बेहतरी के लिए नवीन प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए और अधिक उत्साह के साथ विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।

एनएसआई निदेशक को उत्कृष्टता पुरस्कार



कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज के बैनर तले भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय शुगर कॉन-2022 में दिया गया। शुगरकॉन-2022 का आयोजन 16 से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक चलेगा। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. तिलक राज शर्मा ने प्रदान किया। यह पुरस्कार चीनी और इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान के लिए दिया गया है। प्रोफेसर मोहन ने कहा कि यह पुरस्कार चीनी और इथेनॉल उद्योग की बेहतरी के लिए नवीन प्रक्रियाओं और उत्पादों को विकसित करने में उत्साहवर्धन करेगा। (ब्यूरो)

लगातार उक्त व्यक्ति माहला

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शुगरकॉन 2022 के दौरान राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक को किया गया सम्मानित

संवाददाता
अरुण जोशी

कानपुर नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 16-19 अक्टूबर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शुगरकॉन 2022 के दौरान चीनी और इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए

उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. तिलक राज शर्मा द्वारा प्रदान किया गया संस्थान के कर्मचारियों को पुरस्कार समर्पित करते हुए नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा कि यह हमें चीनी और इथेनॉल उद्योग की बेहतरी के लिए नवीन प्रक्रियाओं और उत्पादों को विकसित करने के लिए और अधिक उत्साह के साथ



विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।

शर्करा संस्थान के डायरेक्टर को अनुकरणीय योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज ने नरेंद्र मोहन को सम्मानित किया

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स इन शुगर एंड एसोसिएटेड टेक्नोलॉजीज द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 16 से 17 अक्टूबर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शुगरकॉन 2022 के दौरान चीनी और इथेनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति की



उपस्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. तिलक राज शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। संस्थान के कर्मचारियों को पुरस्कार समर्पित करते हुए संस्थान

के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि यह हमें चीनी और इथेनॉल उद्योग की बेहतरी के लिए नवीन प्रक्रियाओं और उत्पादों को विकसित करने के लिए और अधिक उत्साह के साथ

NSI director conferred Excellence Award

PNS ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, was conferred with 'Excellence Award' for his exemplary contribution in development of sugar and ethanol production technology during the international conference, SUGARCON 2022, organised by International Association of Professionals in Sugar and Associated Technologies at Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow. The award was given to him by Dr Tilak Raj Sharma, Deputy Director-General, Indian Council of Agriculture Research in the presence of Vice-Chancellor, Gorakhpur University and other dignitaries. Addressing the presspersons later at the Institute, he said this award will further motivate NSI to work with more vigour for developing innovative processes and products for betterment of sugar and ethanol industry. He said the award was the untiring and united efforts of the entire officials and staff of the institute which been globally recognised for its excellence in developing innovative processes. He said NSI focus had always been on recent advancements in bioethanol production concentrate primarily on technical development



Director, National Sugar Institute, Prof Narendra Mohan, being conferred 'Excellence Award' at International Conference, SUGARCON 2022.

to achieve increased ethanol yield per unit of biomass. He said apart from this it also stressed on decreased processing costs and process time and more significantly, minimised process steps, particularly during starch and LC development ethanol.

Prof Mohan said due to crisis of non-renewable energy sources, sustainable and renewable biofuels from biomass had gained special attention. He said the utilisation of lignocellulosic biomass for production of varied energy forms (second

generation fuels) like biogas, biodiesel, bioethanol, etc had increased in the past decade. He said their properties of being naturally abundant and easily accessible throughout the year made them an attractive energy alternative. He said efficient pretreatment techniques for effective transformation of lignocelluloses to varied products, by increasing digestibility of celluloses and hemicelluloses can be achieved through acid, alkali treatment, enzymatic hydrolysis and steam explosion.